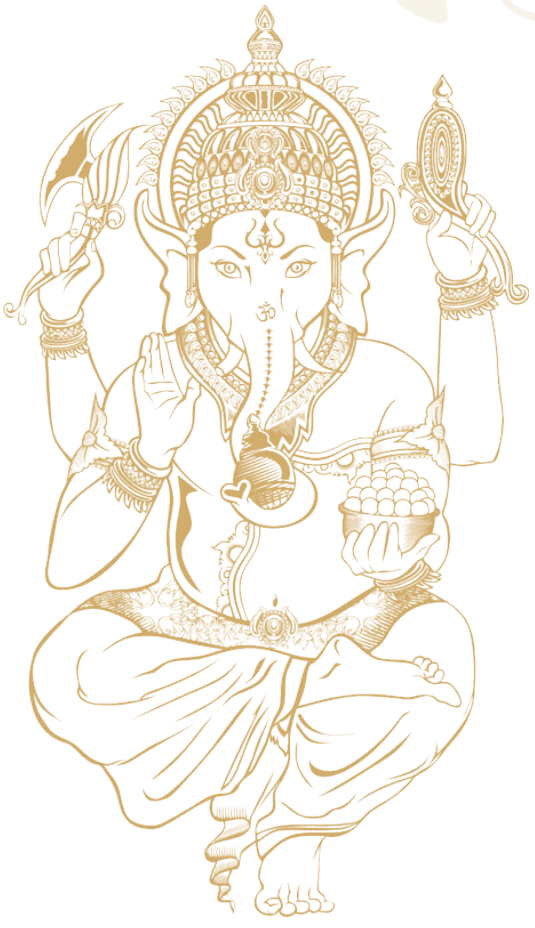

Mr.piyush Sharma

Ms.Radhika Sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119719502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17-18/08/1996	जन्म तिथि	09/09/1998
शनि-रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 03:20:00	जन्म समय	21:00:00 घंटे
घटी 53:41:25	जन्म समय(घटी)	37:23:06 घटी
India	देश	India
Faridabad	स्थान	Delhi
28:24:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:51:26	सूर्योदय	06:02:57
18:56:41	सूर्यास्त	18:33:40
23:48:40	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 9वर्ष 0मा 25दि	28:09:43	मिथु	लग्न	मेष	14:47:15	केतु 3वर्ष 4मा 11दि
राहु	01:25:58	सिंह	सूर्य	सिंह	22:54:44	सूर्य
12/09/2012	11:14:29	कन्या	चंद्र	मेष	06:55:18	21/01/2022
12/09/2030	21:31:43	मिथु	मंगल	कर्क	18:49:31	21/01/2028
राहु 26/05/2015	28:29:43	सिंह	बुध	सिंह	08:49:24	सूर्य 10/05/2022
गुरु 19/10/2017	14:26:46	धनु व	गुरु व	मीन	00:04:39	चन्द्र 09/11/2022
शनि 25/08/2020	15:42:52	मिथु	शुक्र	सिंह	09:40:17	मंगल 17/03/2023
बुध 14/03/2023	12:50:55	मीन व	शनि व	मेष	09:15:40	राहु 09/02/2024
केतु 31/03/2024	14:47:59	कन्या व	राहु व	सिंह	07:35:07	गुरु 27/11/2024
शुक्र 01/04/2027	14:47:59	मीन व	केतु व	कुंभ	07:35:07	शनि 09/11/2025
सूर्य 24/02/2028	07:53:07	मक व	हर्ष व	मक	15:34:39	बुध 15/09/2026
चन्द्र 25/08/2029	01:46:56	मक व	नेप व	मक	05:49:04	केतु 21/01/2027
मंगल 12/09/2030	06:32:17	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:37:29	शुक्र 21/01/2028

लग्न-चलित

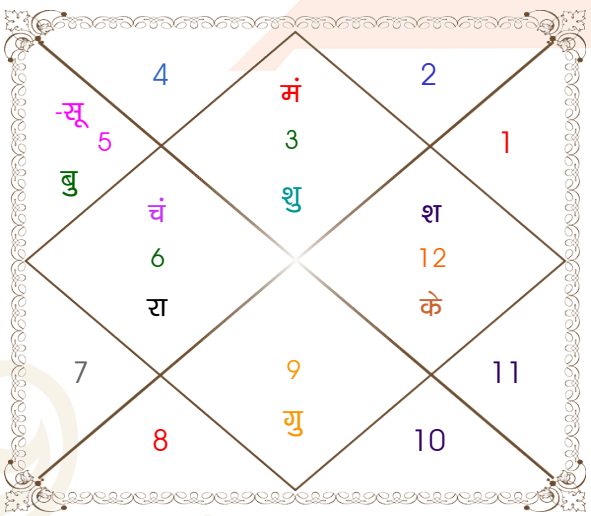

लग्न-चलित

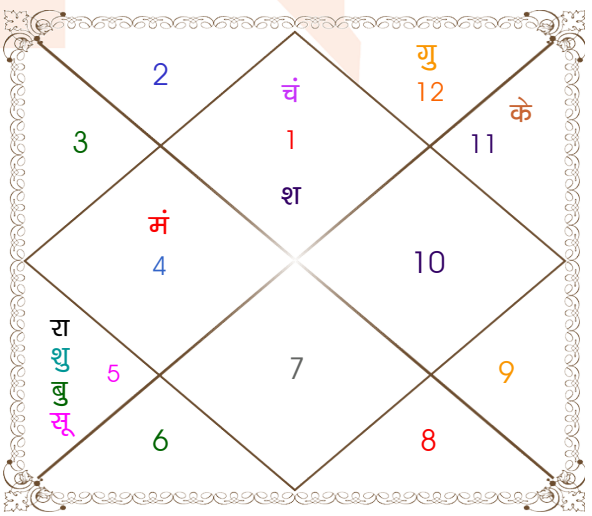

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	अश्व	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	9.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतण्चपलर्नी ॆीतउं का वर्ग मूषक है तथा डेण्त्कीपा ॆीतउं का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्चपलर्नी ॆीतउं और डेण्त्कीपा ॆीतउं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्चपलर्नी ॆीतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

डेण्त्कीपा ॆीतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्त्कीपा ॆीतउं कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्त्कीपा ॆीतउं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डेण्त्कीपां ींतउं कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डतण्चपलर्नी ींतउं कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्चपलर्नी ींतउं तथा डेण्त्कीपां ींतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।